लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3937
25 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र उद्योग से जुड़े श्रमिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

3937. श्री आर. के. चौधरी:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा मोहनलालगंज में वस्त्र उद्योग को बढ़ावा देने के लिए क्या योजनाएं चलाई जा रही हैं;

(ख) मंत्रालय द्वारा मोहनलालगंज में वस्त्र उद्योग से जुड़े श्रमिकों और बुनकरों के लिए शुरू किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इस इलाके में वस्त्र उद्योग से जुड़े लघु और मध्यम उद्यमों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है;

(घ) सरकार द्वारा वस्त्र क्षेत्र में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए शुरू की गई योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) सरकार मोहनलालगंज में सूती, रेशमी और ऊनी कपड़े के विनिर्माण में किस प्रकार सहायता प्रदान कर रही है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) से (ङ): भारत सरकार पूरे भारत में वस्त्र क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाएं/पहल क्रियान्वित कर रही है। प्रमुख योजनाओं/पहलों में पीएम मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र एवं अपैरल (पीएम मित्र) पार्क स्कीम, जिसका उद्देश्य एक आधुनिक, एकीकृत बड़े पैमाने पर, विश्व स्तरीय औद्योगिक इको सिस्टम सृजित करना है, जो निवेश आकर्षित करने और रोजगार को बढ़ावा देने में मदद करेगा; बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने के लिए मानव निर्मित फाइबर और अपैरल, और तकनीकी वस्त्रों पर ध्यान केंद्रित करने वाली उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना; अनुसंधान नवाचार और विकास, संवर्धन और बाजार विकास, कौशल और निर्यात संवर्धन पर ध्यान केंद्रित करने वाला राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन; मांग संचालित, रोजगार उन्मुख, कौशल कार्यक्रम प्रदान करने के उद्देश्य से वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए समर्थ-योजना; बेंचमार्क वस्त्र मशीनरी में पात्र निवेश के लिए पूंजी निवेश सब्सिडी के माध्यम से प्रौद्योगिकी उन्नयन और आधुनिकीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए एटीयूएफएस, रेशम उत्पादन मूल्य श्रृंखला के समेकित विकास के लिए सिल्क समग्र-2; लघु, मध्यम और बड़े पैमाने पर ऊन उत्पादक इकाइयों को सहायता देने के लिए एकीकृत ऊन विकास कार्यक्रम (आईडब्ल्यूडीपी); हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्रों को एंड टू एंड सहायता देने के लिए राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम और राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, सरकार की भूमिका अनुकूल नीतिगत वातावरण सुनिश्चित करना है, तथा अपनी विभिन्न नीतिगत पहलों और योजनाओं के माध्यम से उद्योग और निजी उद्यमियों के लिए इकाइयाँ स्थापित करने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ बनाने में सुविधा प्रदान करना है। इन हस्तक्षेपों के कारण मोहनलालगंज सहित देश भर में अनेक हथकरघा, पावरलूम, रेडीमेड वस्त्र, सिंथेटिक यार्न और होजरी निर्माण इकाइयाँ स्थापित की गई हैं।

*****